Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) ______ (In figures as per admission card) (Name) ______ 2. (Signature) _____ Roll No. ______ (Name) _____ (In words)

J 7 9 1 0

Time: $2^{1}/_{2}$ hours]

PAPER-III [Maximum Marks : 200

VISUAL ART

Number of Pages in this Booklet: 24

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।

Test Booklet No.

 लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- 8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

J-7910 P.T.O.

VISUAL ARTS दृश्य कला

PAPER-III प्रश्नपत्र-III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खंड 🗕 🛭

Note: This section consists of **two** essay type questions of **twenty** (20) marks each, to be answered in about **five hundred** (500) words each. $(2 \times 20 = 40 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । (2 × 20 = 40 अंक)

1. (a) Critically explain that Expressionism in European Art offered utmost freedom to artist to represent their anguish and social concern.

यूरोपीय कला में अभिव्यक्तिवाद ने कलाकार को अपने संताप तथा सामाजिक सरोकार का उच्चतम प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया ।

OR / अथवा

(b) Compare transformation of image and object between Surrealist artist and Pop artists with examples from sculptural art.

मूर्त्तिकला से उदाहरण लेते हुए अतियथार्थवादी कलाकार तथा पॉप कलाकार के बीच मूर्त्ति तथा ऑब्जेक्ट के रूपांतरण की तुलना कीजिए ।

OR / अथवा

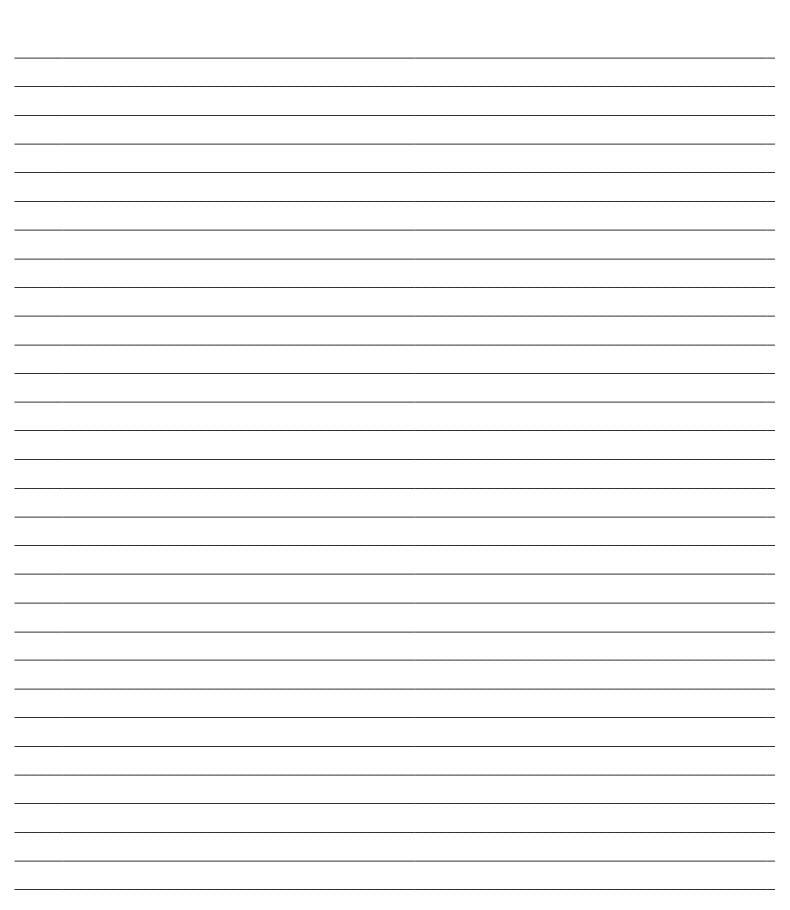
(c) Discuss current trends in contemporary Indian Art. समसामयिक भारतीय कला में नवीन प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

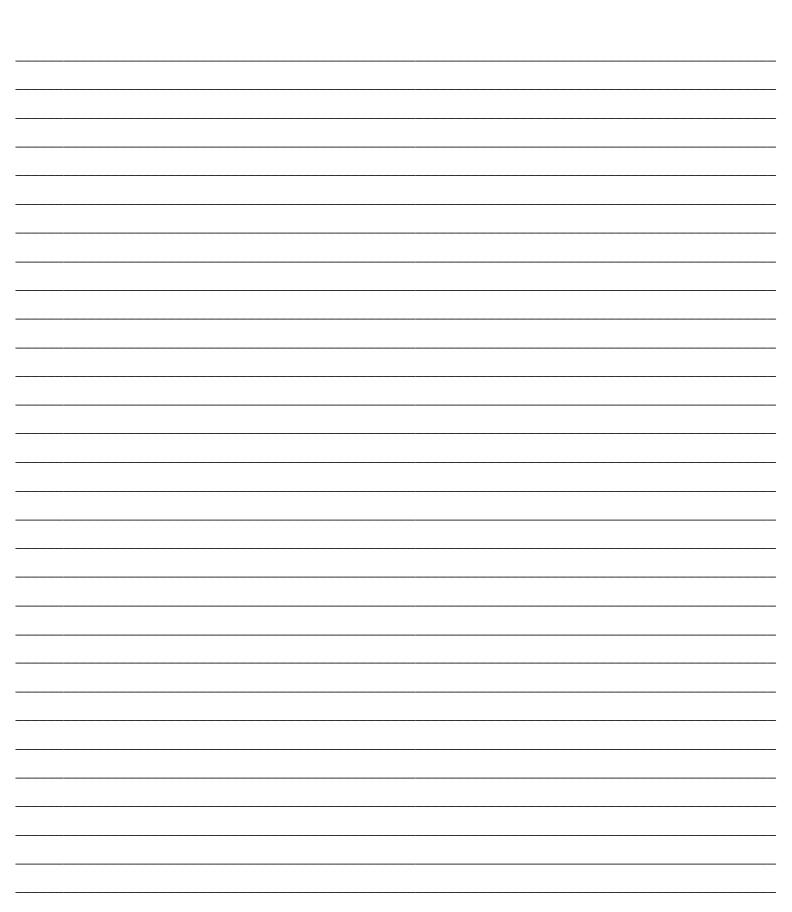
(d) Discuss the organization of art and design, in an advertising agency. एक विज्ञापन एजेंसी में कला तथा डिजाइन के संघटन की विवेचना कीजिए।

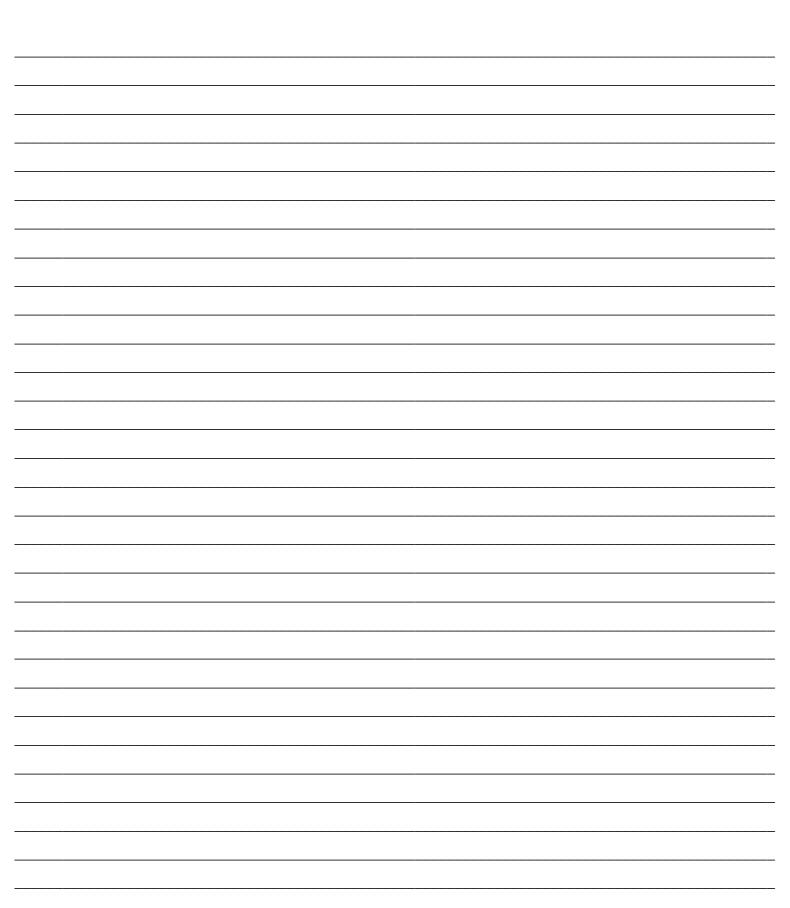
OR / अथवा

(e) Mix media played important role in contemporary print making. Explain your views with example. समसामयिक छापा-चित्रण में मिश्रित माध्यम ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अपने दृष्टिकोण की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।



2. (a)	Present a detailed account of prehistoric painting of India.
	भारत में प्रागैतिहासिक चित्रकला का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
(1)	OR / अथवा
(b)	Explain, when classical values were introduced in Indian sculpture and reached the culmination.
	इस बात की व्याख्या कीजिए कि भारतीय मूर्त्तिकला में शास्त्रीय मूल्यों को कब प्रवर्तित किया गया तथा
	वे कब चरमोत्कर्ष पर पहुँचीं ।
	OR / अथवा
(c)	Discuss the traditional aesthetic theories with reference to Plato and Aristotle.
· · ·	प्लेटो तथा अरस्तू के संदर्भ में पारंपरिक सौंदर्यपरक सिद्धांतों की विवेचना कीजिए ।
	OR / अथवा
(d)	What are the four major printing processes ? Explain one of them in detail. चार प्रमुख मुद्रण प्रिक्रयाएँ क्या-क्या हैं ? उनमें से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।
	OR / अथवा
(e)	Discuss the non-conventional material used in contemporary etching with
	reference to Jyoti Bhatt.
	ज्योति भट्ट के संदर्भ में समसामियक एचिंग में प्रयुक्त अपारम्परिक सामग्री की चर्चा कीजिए ।
J-7910	6





SECTION - II

खंड 🗕 ॥

Note: This section contains **three** (3) questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen** (15) marks and is to be answered in about **three hundred** (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ marks})$

नोट: इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्यक प्रश्न पन्द्रह (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3×15 = 45 अंक)

Drawing & Painting रेखाचित्र एवं चित्रकारी

- 3. Discuss the Colour Field Painting. कलर फिल्ड चित्रों की चर्चा कीजिए ।
- 4. Discuss the work of Feminist artists Arpana Caur and Gogi Saroj Pal. अर्पणा कौर तथा गोगी सरोज पाल नामक महिला कलाकारों की कलाकृतियों की चर्चा कीजिए ।
- 5. Describe the peculiar features of Hunting Scenes in Mughal Miniature Painting. मुगलकालीन लघुचित्रों में शिकार के दृश्यों की विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

OR/अथवा

Sculpture मूर्त्तिकला

- 3. Describe critically the style of Sung Sculpture. सुंग मूर्त्तिकला की शैली का समालोचनात्मक वर्णन कीजिए ।
- 4. Discuss the contribution of Meera Mukherjee in the field of Modern Indian Sculpture. आधुनिक भारतीय मूर्त्तिकला के क्षेत्र में मीरा मुखर्जी के योगदान की चर्चा कीजिए ।
- 5. Evaluate the aquatic form of Dada Sculptor Hans Jean Arp. दादा मृत्तिकार हैंस ज्याँ आर्प के जलीय रूपों का मृल्यांकन कीजिए ।

OR/अथवा

History of Art कला का इतिहास

- 3. Evaluate the contribution of Anand K. Coomaraswamy to the Indian Art. भारतीय कला में आनन्द के. कुमारस्वामी के योगदान का मुल्यांकन कीजिए ।
- 4. Describe the architecture of Sun Temple of Konark. कोणार्क के सूर्यमंदिर की वास्तुकला का वर्णन कीजिए ।
- 5. Discuss the importance of theory of Rasa in context of Indian Art. भारतीय कला के संदर्भ में रस सिद्धान्त के महत्त्व की चर्चा कीजिए ।

OR/अथवा

Print Making

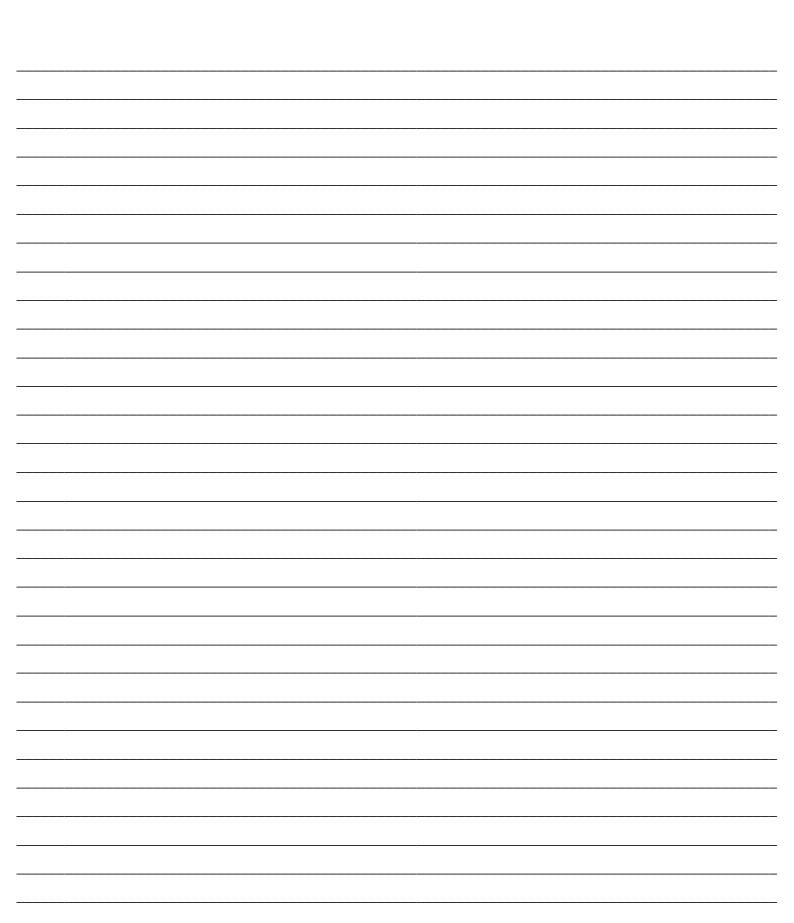
(छापा-चित्रण)

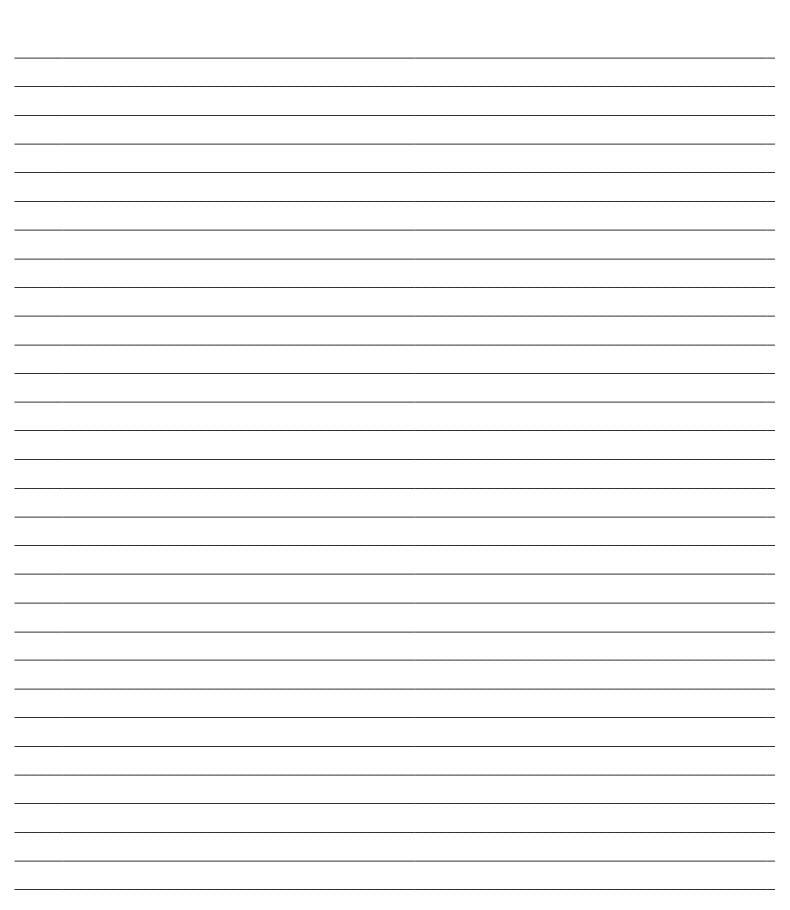
- 3. Write on Modern American Prints and its impact on art scene in India. आधुनिक अमेरिकी छापा चित्र तथा भारतीय कला परिदृश्य पर इसके प्रभाव के बारे में लिखिए ।
- 4. Justify the enormous contribution of Bharat Bhawan, Bhopal towards popularizing the discipline of print making in India.
 भारत में छापा-चित्रण को लोकप्रिय बनाने में भारत भवन, भोपाल के महती योगदान का औचित्य सिद्ध कीजिए।
- 5. Evaluate the contribution of Laxma Gaud in print making. छापा-चित्रण में लक्ष्मा गौड़ के योगदान का मृल्यांकन कीजिए।

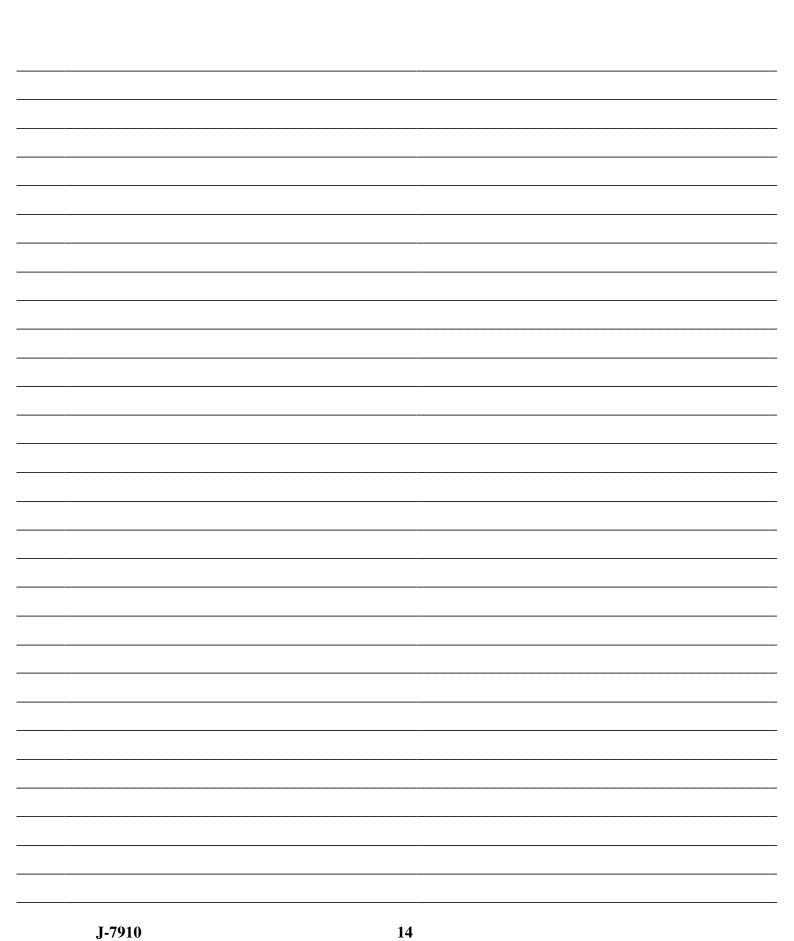
OR/अथवा

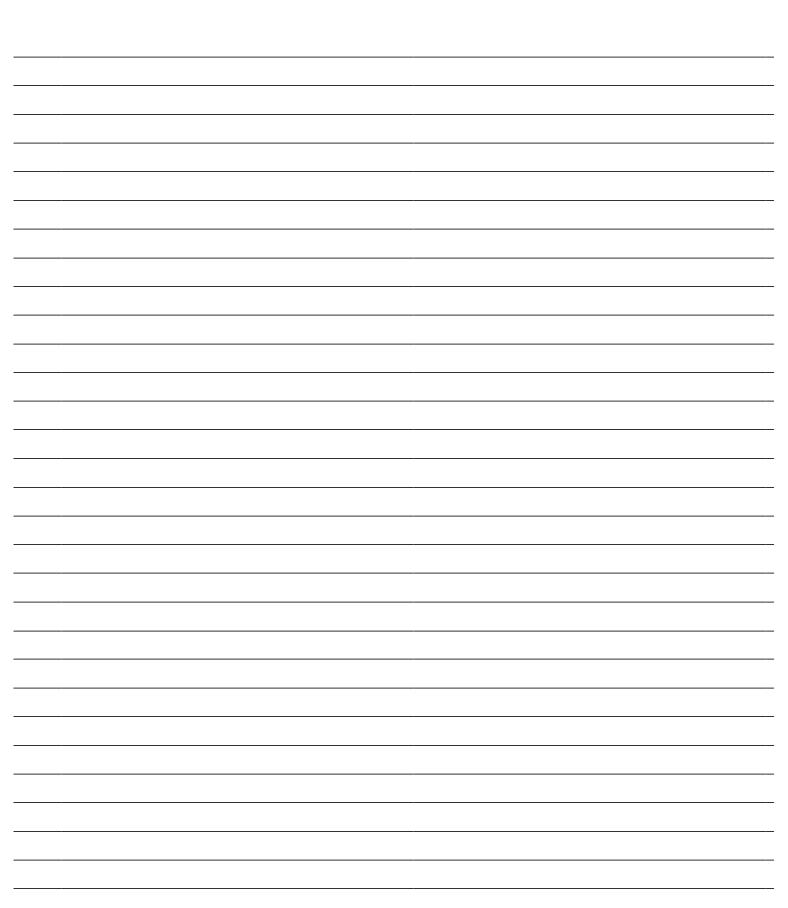
Applied Art व्यावहारिक कला

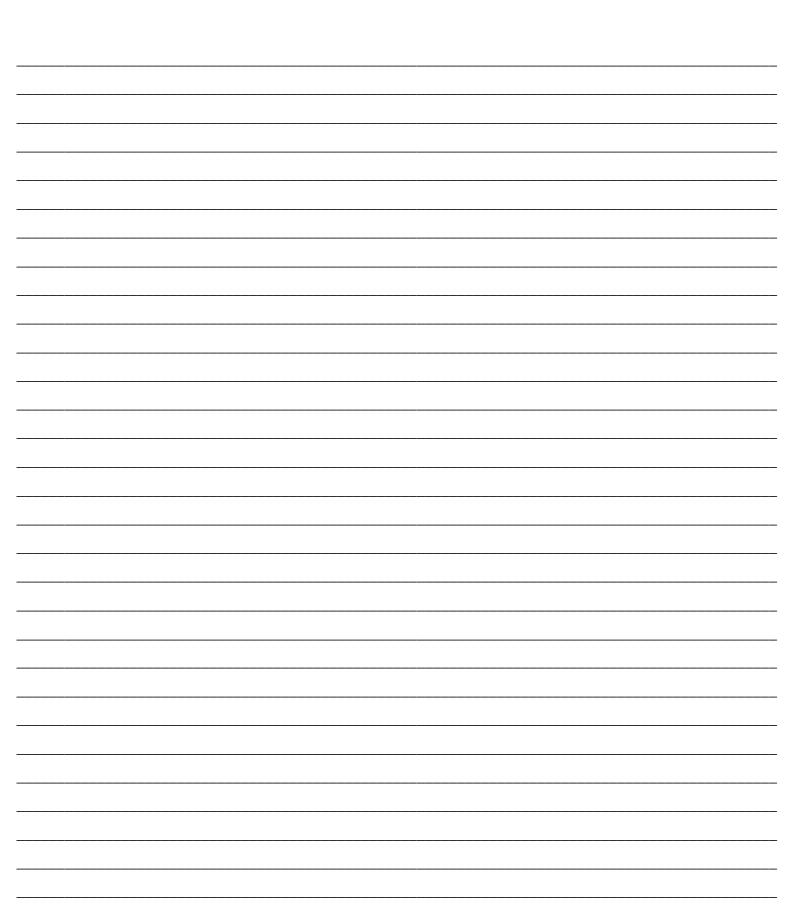
- 3. Estimate the future of advertising and designing in Indian Electronic Media. भारतीय इलेक्ट्रोनिक मीडिया में विज्ञापन कार्य तथा अभिकल्पन के भविष्य का आकलन कीजिए।
- 4. Discuss the role of digital photography in advertising and designing. विज्ञापन कार्य तथा अभिकल्पन में डिजिटल फोटोग्राफी की भूमिका की चर्चा कीजिए ।
- 5. Write the conceptual difference amidst advertising, publicity and propaganda. विज्ञापन, पिक्लिसिटी और प्रोपैगेंडा में वैचारिक अंतर लिखिए ।











SECTION - III

खंड – III

Note:	This section contains nine (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in about fifty (50) words. $(9 \times 10 = 90 \text{ marks})$	
नोट :	इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । (9 × 10 = 90 अंक)	
6.	What do you understand by "truth to the medium" with reference to the sculpture? Explain.	
 	मूर्त्तिकला के संबंध में ''ट्रुथ टू दि मीडियम'' से आप क्या समझते हैं ? व्याख्या कीजिए ।	
7.	Describe the impact of Multimedia Art. मल्टीमीडिया आर्ट के प्रभाव का वर्णन कीजिए ।	
 		

8.	Write the manifesto of Surrealism.
	अतियथार्थवाद का घोषणापत्र लिखिए ।
9.	Write about the importance of imagination in art. कला में कल्पना के महत्त्व के बारे में लिखिए ।
10.	Write a note on painting "Scream" by Eduard Munch. एदुआर मुंख के चित्र "स्क्रीम" पर एक टिप्पणी लिखिए ।

18

J-7910

J-791	0 19	P.T.O.
	शांत रस को परिभाषित कीजिए ।	
12.	Define the Shant Rasa.	
	लिओनार्डो दा विंची की कृति ''लास्ट सपर'' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।	
11.	Write a brief note on "Last Supper" by Leonardo da Vinci	

13.	What is Hue ? Explain.
	वर्ण क्या है ? व्याख्या कीजिए ।
14.	Write on "Dolls Series" of Bikash Bhattacharjee.
	बिकास भट्टाचार्जी की ''डॉल्स सिरीज'' के विषय में लिखिए ।

SECTION - IV

खंड **–** IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । $(5 \times 5 = 25 \text{ अंक})$

Egyptian culture was dedicated to providing a home for the ka, that part of the human being that defines personality and that survives life on earth after death. The enduring nature of the ka required that artisans decorate tombs with paintings that the spirit could enjoy after death. Small servant figures might be carved from wood to serve the departed in the after-life. The ka could find a home in a statue of the deceased. Mummification – the preservation of the body by treating it with chemical solutions and then wrapping it in linen – provided a similar home, as did the elaborate coffins in which the mummy would be placed. The pyramids were, of course, the largest of the resting places designed to house the ka.

The enduring quality of the *ka* accounts for the unchanging way in which, over the centuries, Egyptian figures, especially the pharaohs, were represented. A canon of ideal proportions was developed that was almost universally applied. The figure is, in effect, fitted into a grid. The feet rest on the bottom line of the grid, the ankles are placed on the first horizontal line, the knee on the sixth, the navel on the thirteenth (higher on the female), elbows on the fourteenth, and the shoulders on the nineteenth. These proportions are utilized in the *Palette of King Narmer* – called a "palette" because eye make-up was prepared on it. The tablet celebrates the victory of Upper Egypt, led by King Narmer, over Lower Egypt, in a battle that united the country. Narmer is depicted holding an enemy by the hair, ready to finish him off. On the other side he is seen reviewing the beheaded bodies of his foes. Narmer's pose is typical of Egyptian art. The lower body is in profile, his torso and shoulders full front, his head a profile again, though a single eye is portrayed frontally.

'का' – जो मानव-मात्र का वह भाग है, जो व्यक्तित्व को परिभाषित करता है तथा जो मृत्यु के बाद भी धरती पर जीवित रहता है – के लिए एक निवास-स्थल उपलब्ध कराने के प्रति मिस्र की सभ्यता समर्पित थी । 'का' के स्थायी होने की प्रकृति इस बात की आवश्यकता को इंगित करती है कि शिल्पकार मकबरों को चित्रकारी से अलंकृत करें तािक शरीर की मृत्यु के बाद भी आत्मा आनंदित रह सके । लकड़ी से सेवकों की लघुमूर्तियाँ उत्कीर्ण की जा सकती थीं जो जीवन समाप्त होने के बाद मृत व्यक्ति की सेवा में रहें । 'का' का निवास मृत व्यक्ति की आकृति में भी हो सकता है । शव-परिरक्षण – रासायनिक घोलों से शव का उपचार कर उसे वस्त्र में लपेट कर परिरक्षित करना – द्वारा उसी प्रकार का आवास उपलब्ध कराया जाता था जैसा कि तामझाम वाले ताबूतों द्वारा किया जाता था, जिसमें परिरक्षित शव को रखा जाना था । 'का' को रखने के लिए अभिकल्पित पिरामिड निस्संदेह सबसे बड़े विश्राम–स्थल (कब्र) होते थे ।

'का' के स्थायी होने का गुण सिंदयों से उस अपिरवितित तरीके का विवरण उपस्थित करता है, जिसमें मिस्र की आकृतियों, विशेषत: फराहों का प्रितिनिधित्व होता था। आदर्श अनुपात का एक धर्मविधान विकसित किया गया था, जिसका सार्वित्रक प्रयोग किया जाता था। आकृति को वस्तुत: एक जालक (ग्रिड) में फिट किया जाता था। पाँवों को जालक की निचली रेखा, टखनों को प्रथम पड़ी रेखा, घुटनों को छठी, नािभ को तेरहवीं (मिहलाओं हेतु थोड़ा ऊपर), कुहनी को चौदहवीं तथा कंधों को उन्नीसवीं रेखा पर रखा जाता था। इन अनुपातों का उपयोग पैलेट ऑफ किंग नार्मर में किया गया है, जिसे पैलेट (रंगपट्टिका) कहा जाता है क्योंकि इस पर आँख का मेकअप बनाया गया था। यह टैबलेट किंग नार्मर के नेतृत्व में लड़ी गई लड़ाई में लोअर इजिप्ट पर अपर इजिप्ट के विजय का गुणगान करता है, जिसके कारण देश के ये दो भाग एकीकृत किये गये। नार्मर द्वारा एक शत्रु को उसके बालों से पकड़कर उसका सिर काटने को उद्यत दर्शाया गया है। दूसरी तरफ उसे अपने शत्रुओं के सिर कटे धड़ों का निरीक्षण करते हुए दर्शाया गया है। नार्मर की यह मुद्रा मिस्र की कला का ठेठ रूप है। उसके शरीर का निचला भाग पार्श्वभाग (प्रोफाइल) में है, उसका धड़ तथा कंधे पूर्णत: अग्रभाग में हैं, उसका सिर पुन: पार्श्व में है, यदयिप उसकी एक आँख को अग्रभाग में चित्रित किया गया है।

	15.	Explain the term "ka". "का" पद की व्याख्या कीजिए ।
·		
	16.	What is the enduring nature of "ka" ? "का" की स्थायी प्रकृति क्या है ?

17.	What are the ideal proportions developed by the Egyptians ? मिस्रवासियों द्वारा विकसित आदर्श अनुपात क्या हैं ?
18.	What is typical in the pose of King Narmer ? किंग नार्मर की मुद्रा की विशिष्ट बातों का उल्लेख कीजिए ।
19.	In Egyptians tradition why the tombs (Pyramids) were decorated ? मिस्री परम्परा में मकबरों (पिरामिडों) को अलंकृत क्यों किया जाता था ?

FOR OFFICE USE ONLY				
Marks Obtained				
Question	Marks			
Number	Obtained			
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				

Total Marks Obtained (III words)	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		
(in figures)			
Signature & Name of the Coordinator			
or the coordinator			
(Evaluation)	Date		